संपादकीय

संयत रहना होगा

केंद्र सरकार ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के संबंध में ऐतिहासिक फैसला करते हुए अनुच्छेद 370 और 35-ए को हटा दिया। हालांकि अनुच्छेद 370 का खंड-ए बना रहेगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अब अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश होंगे। इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संकल्प पेश किया। इसके बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अनुच्छेद 370 हटाने के लिए संविधान आदेश (जम्मू-कश्मीर के लिए) 2019 के तहत अधिसूचना जारी कर दी।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए सरकार ने सोमवार को राज्य पुनर्गठन विधेयक भी पेश किया जिसे बाद में पास कराया जाएगा। जम्मू-कश्मीर की स्थिति दिल्ली और पुदुच्चेरि जैसे केंद्र शासित प्रदेश वाली होगी, यानी यहां विधानसभा रहेगी। जबकि लद्दाख की स्थिति चंडीगढ़ जैसी होगी, जहां विधानसभा नहीं होगी। सरकार का कहना है कि उसने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि अनुच्छेद 370 के रहते राज्य का पुनर्गठन नहीं किया जा सकता था। इसकी मौजूदगी केंद्र सरकार के हाथ बांध देती थी और वह राज्य की बेहतरी के लिए अहम फैसले नहीं कर पाती थी।

अनुच्छेद 370 शुरू से ही राष्ट्रीय बहस का मुद्दा रहा है। देश का एक तबका इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों को भारत से जोड़ने वाली कड़ी मानता रहा है। लिहाजा उसकी मान्यता रही है कि इसमें कोई बुनियादी छेड़छाड़ कश्मीरी जनता की भावनाओं के अलावा भारत की मूल संवैधानिक प्रस्थापनाओं के भी खिलाफ जाएगी। जबकि दूसरी राय यह रही है कि इसके तहत मिलने वाले अधिकार और व्यवस्थाएं भारत की एकात्मकता के खिलाफ हैं और इनमें ज्यादातर दशकों पहले बेअसर हो चुकी हैं।

सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी अपने पुराने जनसंघ वाले दौर से ही इसे हटाए जाने के पक्ष में रही है और यह बात उसके घोषणापत्र में भी शामिल रही है। जाहिर है, बीजेपी सरकार के सामने राज्य के विकास को लेकर अपनी परिकल्पनाएं होंगी। उम्मीद की जाती है कि उसने काफी सोच-विचार के बाद ही यह कदम उठाया है। वहां किसी भी जोखिम से निपटने का हौसला उसके पास होगा और इसके लिए जरूरी तैयारी भी उसने कर रखी होगी लेकिन यह धारणा बनाना उचित नहीं है कि धारा 370 खत्म होने से कश्मीर की समस्या रातोंरात सुलझ जाएगी।

इस कदम को लेकर कुछ गहरे और न्यायसंगत सवाल हैं, जिन्हें राष्ट्रवाद के हल्ले में किनारे नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 को कश्मीरी अस्मिता का प्रश्न मानने वाले स्थानीय राजनेता इस फैसले के प्रति अपना विरोध जता चुके हैं और उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में इसकी संवैधानिकता को चुनौती मिलना स्वाभाविक है। अलगाववादी ताकतें इसे मुद्दा बनाकर अपने भारत विरोधी अभियान को चरम पर ले जाने का प्रयास कर सकती हैं। उनसे निपटने के लिए सुरक्षा तंत्र को मुस्तैद रहना होगा। इसे किसी की जीत या हार के रूप में प्रचारित करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे बाकी देश में भी तनाव पैदा हो सकता है। यह वक्त कश्मीरियों से सघन संवाद में जाने का है। दरअसल कश्मीर को इस कदम से आगे एक हीलिंग टच की जरूरत है।

गयाना टी-20 : कोहली, पंत के अर्धशतक, भारत ने 3-0 से जीती सीरीज

गयाना। दीपक चहर की गेंदबाजी के बाद कप्तान विराट कोहली (59) और ऋषभ पंत (नाबाद 65) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने मंगलवार देर रात खेले गए तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

टॉस जीतकर कोहली ने गेंदबाजी चुनी थी और चहर ने शुरुआती तीन विकेट ले विंडीज को दबाव में ला दिया। केरन पोलार्ड ने 58 और रोवमैन पावेल ने नाबाद 32 रनों की पारी खेल विंडीज को 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 146 रनों का सम्मानजनक स्कोर प्रदान किया। इस लक्ष्य को भारत ने 19.1 ओवरों में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

ओशाने थॉमस ने शिखर धवन (3) का विकेट ले भारत का स्कोर 10 रनों पर एक विकेट कर दिया। फाबियान ऐलान, लोकेश राहुल (20) को 27 के कुल स्कोर पर पवेलियन भेजने में सफल रहे। अभी तक अपनी गैरजिम्मेदाराना बल्लेबाजी के लिए आलोचनाओं का शिकार हो रहे पंत ने कप्तान कोहली के साथ भारतीय पारी को आगे बढ़ाया और तीसरे विकेट के लिए 106 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। कोहली ने अपनी पारी में 59 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके लगाए।

भारत को जब जीत के लिए 15 गेंदों पर 14 रनों की जरूरत थी तब कोहली थॉमसी गेंद पर इविन लुइस के हाथों लपके गए। कोहली ने अपनी पारी में 59 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके लगाए। पंत ने फिर मनीष पांडे (नाबाद 2) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। पंत ने ही भारत के लिए विजयी छक्का मारा। पंत ने अपनी नाबाद पारी में 42 गेंदों का सामना किया और चार छक्कों के साथ चार चौके भी लगाए।

इससे पहले, मैच बारिश के कारण देरी से शुरू हुआ था। कोहली ने गेंदबाजों के लिए मुफीद स्थितियां देखते हुए गेंदबाजी का फैसला किया जिसे दीपक ने सही साबित किया और बाकी के गेंदबाजों ने उनके काम को आगे बढ़ाया। दीपक के अलावा नवदीप सैनी ने दो और अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रहे राहुल चहर ने एक विकेट लिया।

दीपक ने 14 रनों पर ही विंडीज के तीन विकेट चटका दिए थे। उन्होंने पहले सुनील नरेन (2) फिर लुइस (10) और तीसरे विकेट के रूप में शिमरन हेटमायेर (1) को पवेलियन भेजा। यहां से पोलार्ड और निकोलस पूरन (17) चौथे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्कोर के रास्ते पर लेकर आए।

सैनी ने 80 के कुल स्कोर पर पूरन को आउट कर विंडीज को चौथा झटका दिया। सैनी ने ही 105 के कुल स्कोर पर पोलार्ड की पारी का अंत कर विंडीज के मजबूत स्कोर की उम्मीद को हिला दिया। पोलार्ड ने 45 गेंदों की पारी में छह छक्के और एक चौका मारा। इसके बाद रोवमैन पावेल ने 20 गेंदों पर दो छक्के और एक चौके की मदद से 32 रन बना पोलार्ड के काम को जारी रखा।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष का विकास अनुमान घटाया

» आसान किया सस्ते कर्ज का रास्ता

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कमजोर घरेलू एवं वैश्विक माँग के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष का विकास अनुमान सात प्रतिशत से घटाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद जारी बयान में कहा है कि जून में हुई पिछली बैठक में उसने वित्त वर्ष 2019-20 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर सात प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया था, लेकिन पिछले दो महीने में अर्थव्यवस्था के कई संकेतकों से घरेलू तथा वैश्विक माँग में कमजोरी के संकेत मिले हैं।

आरबीआई ने कहा वित्त वर्ष 2019-20 में वास्तविक

जीडीपी की विकास दर सात प्रतिशत से घटाकर 6.9 प्रतिशत की जाती है। पहले छमाही (अप्रैल-सितंबर 2019) में विकास दर 5.8 से 6.6 प्रतिशत के बीच और दूसरी छमाही में 7.3 से 7.5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। बयान में कहा गया है कि विकास दर के अनुमान से बेहतर रहने की संभावना कम और कमतर रहने की संभावना ज्यादा है।

केंद्रीय बैंक ने कई कारकों को आँकलन में शामिल करने के बाद विकास अनुमान घटाया है। उसने कहा है कि दूसरी तिमाही में माँग में वृद्धि की रफ्तार सुस्त रहेगी, हालाँकि लागत में कमी विकास के लिए शुभ संकेत है। इस साल नीतिगत ब्याज दरों में लगातार की गई कटौती से आर्थिक गतिविधियों को बल मिलने की उम्मीद है।

वहीं, रिजर्व बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति में रेपो रेट में कटौती का तोहफा दिया है। रेपो रेट 0.35त्न घटाकर 5.40त्न किया गया और रिवर्स रेपो रेट हुआ 5.15त्न हो गया है। यह लगातार चौथी बार है, जब आरबीआई ने रेपो रेट घटाया है। रेपो रेट अब तक 5.75 पर्सेंट था, जो सितंबर 2010 के बाद इसका सबसे निचला स्तर था। आरबीआई इस साल पहले ही रेपो रेट में तीन बार में 0.75 पर्सेंट की कटौती कर चुका था। आज कटौती का ऐलान होने के बाद यह 5.40 पर्सेंट पर आ गया है। ऐसा होने से कर्ज सस्ता होने का रास्ता आसान हो गया है।

शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे गिरा

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निष्कर्षों की घोषणा से पहले बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे गिरकर 70.93 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की जारी निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों की सतर्क शुरुआत ने भी रुपये पर दबाव डाला। उन्होंने कहा कि अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के नरम रहने तथा कच्चा तेल का भाव गिरने से रुपये को कुछ राहत मिली। मंगलवार को रुपये 70.81 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को एफपीआई 2,107.93 करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाल रहे।

दिसंबर से सभी दिन चौबिसो घंटे मिलेगी एनईएफटी की सुविधा

मुंबई (आरएनएस)। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से खुदरा लेनदेन आसान बनाने के लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिसंबर से नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईएफटी) की सुविधा सभी दिन चौबीसों घंटे देने का फैसला किया है।

केंद्रीय बैंक की बुधवार को समाप्त तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद जारी विकास एवं नियामक नीति बयान में यह बात कही गयी है। वर्तमान में एनईएफटी की सुविधा सभी बैंक कार्यदिवसों पर सुबह आठ बजे से शाम सात बजे तक उपलब्ध होती है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा जैसा कि भुगतान प्रणाली विजन 2021 दस्तावेज में कहा गया है रिजर्व बैंक दिसंबर से एनईएफटी की सुविधा 24 गुणा 07 आधार पर उपलब्ध करायेगा। इससे देश की खुदरा भुगतान प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष:- आमतौर पर मंगलवार का दिन आप अध्ययन मनन और धार्मिक प्रवचन सुनने में बिताना चाहते हैं परंतु काफी समय इस कार्यक्रम में रुकावट आ रही है।

वृषभ:- आमतौर पर मंगलवार का दिन आपके लिए आराम का नहीं होता है लेकिन इस समय जब चारों तरफ आपकी जरूरत हो और सामाजिक दायरे में आप एक गणमान्य हस्ती बनना चाहते हैं तो यह दिन घर बैठकर बर्बाद नहीं करें।

मिथुन:- आज का दिन आपके लिए एक नहीं बल्कि अनेक प्रकार के कार्यों को निपटाने का हो सकता है लेकिन इसके चलते आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती है।

कर्क:- मंगलवार का दिन हो और आपके पास कोई काम न हो ऐसा नहीं हो सकता है। आज के दिन जहां कई काम एक साथ निपटाने होंगे वहां अपने उच्च अधिकारी आदि की सेवा में भी हाजिर होना पड़ सकता है।

सिंह:- हो सकता है आज आपको अपने वाहन के रख-रखाव का जिम्मा उठाना पड़े। यदि किसी निजी सेक्टर में कार्यरत हैं तो हो सकता है कुछ आधिकारिक व्यस्तता भी आपके आराम में खलल डाल सकती है।

कन्या:- हमेशा ही मंगलवार का दिन आपके लिए ज्यादा व्यस्त होता है। सवाल सिर्फ व्यस्तता का नहीं है बल्कि आपको घरेलू कार्य आए दिन अतिरिक्त अवकाश लेकर भी पूरे करने होंगे।

तुला:- मंगलवार के दिन जहां आप नौकरी के तनाव से मुक्त रहते हैं तो दूसरी ओर वहां अपने निजी कार्य आड़े आते हैं।

वृश्चिक:- आज के दिन आपकी चिंताएं और बढ़ जाती है। बहुत बिंदास अंदाज में आज आपको सजना संवरना होता परन्तु तत्काल ही कोई फोनकाल आपके कार्यक्रम में बदलाव ला सकता है।

धनु:- आज के दिन घर के रख-रखाव का सारा भार आपके कंधों पर आ सकता है। अभी आप ऐसे कामों में अपना दिन बर्बाद नहीं करना चाहते हैं जिनमें आपका पूरा दिन बीत जाए।

मकर:- आप व्यावसायिक अवसर का पूरा लाभ उठाना तो जानते हैं परन्तु कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपको इस दिन ड्यूटी पर भी बुला सकते हैं।

कुंभ:- यदि आप किसी हल्के फुल्के रोजगार से जुड़े हैं तो फिर आज की छुट्टी आपके लिए अपने करियर में नए संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी है।

मीन:- आज घर पर बैठने से आप बोरियत महसूस कर सकते हैं। वैसे आजकल घर से निकलकर किसी बार रेस्तरों में बैठकर कुछ खना पीना भी भारी खर्चे का बोझ डाल लेता है।

केवल भगवान ही भारतीय क्रिकेट की मदद कर सकता है : गांगुली

नईदिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने राहुल द्रविड़ को हितों के टकराव के मुद्दे पर भेजे गए नोटिस पर बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना की है। बीसीसीआई के एथिक्स अधिकारी डी.के. जैन ने बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के ऑपरेशन्स हेड द्रविड़ को

नोटिस भेज हितों के टकराव के मुद्दे पर सफाई मांगी थी। जैन ने यह फैसला मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के सदस्य संजीव गुप्ता द्वारा की गई शिकायत के बाद लिया है। गांगुली ने ट्वीट किया, भारतीय क्रिकेट में नया फैशन है हितों का टकराव, खबरों में बने रहने का सबसे अच्छा तरीका है। भगवान भारतीय क्रिकेट की मदद करे, द्रविड़ को बीसीसीआई के एथिक्स ऑफिसर से हितों के टकराव मामले में नोटिस मिला है। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ट्वीट किया, वास्तव में मुझे पता नहीं यह कहां जा रहा है..आप भारतीय क्रिकेट में उनसे बेहतर व्यक्ति नहीं देख सकते। ऐसे महान खिलाड़ियों को लिए नोटिस भेजना उन्हें अपमानित करने जैसा है। क्रिकेट की बेहतरी के लिए उनकी सेवाओं की आवश्यकता है। हां, भारतीय क्रिकेट को भगवान बचाए।

डॉलर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचने के लिए गोल्ड खरीद रहा आरबीआई

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के लिए गोल्ड सेफ हेवेन यानी सुरक्षित विकल्प साबित हुआ है। डॉलर में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए वह विदेशी मुद्रा भंडार को मैनेज करने की रणनीति के तहत पिछले डेढ़ साल से गोल्ड खरीद रहा है। 1991 भुगतान संकट के वक्त देश ने बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास जितना सोना गिरवी रखा था, इस दौरान आरबीआई उससे अधिक गोल्ड खरीद चुका है। रिजर्व बैंक के हालिया डेटा के मुताबिक, नवंबर 2017 से अब तक उसने 20 लाख डॉलर ट्रॉय औंस का गोल्ड खरीदा है, जो करीब 61 टन है। 1991 भुगतान संकट के वक्त भारत ने बैंक ऑफ इंग्लैंड के

पास 45 टन गोल्ड गिरवी रखा था।

विदेशी मुद्रा भंडार के लिए हाल में गोल्ड खरीदने वाला आरबीआई अकेला केंद्रीय बैंक नहीं है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, दूसरे देशों के केंद्रीय बैंक भी गोल्ड होल्डिंग बढ़ा रहे हैं। इस साल के मई में बैंकों ने लगभग 247 टन सोने की शुद्ध खरीदारी की थी। हालिया आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जून तक आरबीआई के पास 198.7 लाख टन ट्रॉय औंस गोल्ड यानी 618 टन सोना था, जिसकी कीमत 24.3 अरब डॉलर है।रिजर्व बैंक के डेटा के मुताबिक, जुलाई में बैंक को 100 करोड़ डॉलर का लाभ हुआ।

कढ़ाई मशरूम बनाने की विधि...

सामग्री :

2 कप मशरूम कटे हुए, 1 इंच अदरक कटी हुई, 4-5 लहसुन की कलियां, 1 शिमला मिर्च लंबी कटी हुई, 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 6-7 करी पत्ता, आधा बड़ा चम्मच राई, 2 बड़े प्याज कटे हुए, 3 टमाटर की प्यूरी, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, 1 बड़ा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 बड़ा चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि :

सबसे पहले मशरूम को धोकर 20 मिनट तक गरम पानी में भिगोकर रखें।फिर इसे साफ कर डंठल सहित पतले टुकड़ों में काट लेंगे।अब प्याज, हरी मिर्च और अदरक को पीसकर पेस्ट बना लेंगे।अब मीडियम आंच पर एक पैन में तेल डालकर गरम होने के लिए रख देंगे। जब तेल गरम हो जाए तो इसमें राई और करी पत्ता डालकर तड़काएंगे।फिर इसमें प्याज का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भून लेंगे। इसके बाद इसमें टमाटर का पेस्ट, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर ग्रेवी के तेल छोड़ने तक पकाएं। बीच-बीच में चलाते रहें।अब इस मसाले में मशरूम, कटी शिमला मिर्च और नींबू का रस डालकर भूनेंगे।इसके बाद इसमें एक कप पानी डालें और धीमी आंच 10-15 मिनट तक पकाएं।जब सब्जी पक जाए तो इसमें गरम मसाला और धनिया पत्ती डालकर आंच बंद करें और गर्मागर्म सब्जी सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 49

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

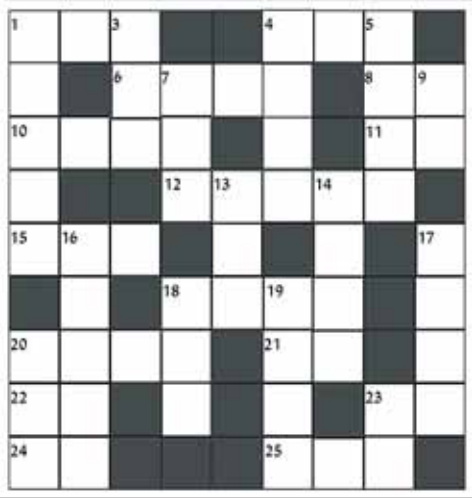

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			दू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 49

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 48 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4